

२२। मान-विक्रणावत माम ७ भनवीमर मामन ७ णातिष : ऋणः ११। (क्यू अक्षा द्वारिक स्विक्र ते। (क्यू अक्ष द्वारिक स्विक्र रूपाठ द्विवक्षां त्रिश्वक्रक रूपाठ द्विवक्षां त्रिश्वक्रक